ओ एस डी ए वी पब्लिक स्कूल, कैथल
सामयिक परीक्षा II (2024-25)
विषय : हिंदी SET-A
कक्षा : दसवीं

निर्धारित समय: 1:20 घंटे **पूर्णांक: 30**

प्रश्न सं.	प्रश्न	अंक
1	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए** - व्यक्ति एवं समाज दोनों की प्रगति में साहित्य का विशेष हाथ होता है। जिस जाति का साहित्य जितना ही समृद्ध होगा, वह जाति उतनी ही शिष्ट एवं सुसंस्कृत होगी ।इतना ही नहीं ,साहित्य वह दर्पण है जिसमें जाति का चरित्र और उसकी संपन्नता प्रतिबिंबित होती है ।साहित्य में जीवन के विविध पक्षों को व्यावहारिक रूप से प्रभावित करने की क्षमता है। साहित्य से समाज का विकास होता है ,परंतु साथ ही यह भी नितांत सत्य है कि समाज ही साहित्य का विकास करता है ।अपने ही देश और अपनी ही जाति का साहित्य जीवन के विकास में सहायक होता है। ज्ञानवर्धन के लिए दूसरे देशों के साहित्य का अध्ययन करना उपयोगी हो सकता है ,किंतु अपना साहित्य माता की तरह पालन पोषण और विकास करने वाला होता है । अतः अपने साहित्य की माता के ही समान सेवा की जानी चाहिए। ज्ञान राशि के संचित कोष का नाम साहित्य है। कोई भाषा चाहे कितनी भी विकसित क्यों न हो, यदि उसका अपना साहित्य नहीं है,तो वह रूपवती भिखारिन के समान है ।साहित्य का मानव जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है।कारण यह है कि साहित्य में मानव जीवन ही प्रतिबिंबित रहता है साहित्य मानव के ज्ञान का भंडार है ।अपने मूल रूप से मानव जिन विचारों और भावों को परंपरा से संचित करता आया है ,वे ही भाषा में लिपिबद्ध होकर साहित्य के रूप में संचित होते है । **(क)साहित्य के माध्यम से समाज का कौन सा रूप प्रतिबिंबित होता है?** I. राजनैतिक व सामाजिक रुप. II.जाति का चरित्र व उसकी संपन्नता का III. व्यक्ति विशेष की जानकारी IV.जीवन के विविध पक्षों का **(ख)मानव समाज की उन्नति में किसका विशेष हाथ होता है?** (i)अपनों का (ii)पड़ोसियों का (iii) भाषा का (iv)साहित्य का **(ग) साहित्य को किसका दर्पण कहा गया है?** I. लिपि का II.समाज का III.व्याकरण का IV.भाषा का **(घ) जिस भाषा का साहित्य नहीं होता ,वह किसके समान दिखाई पड़ती है?** **ड.) दूसरे देशों के साहित्य का अध्ययन करना किसके लिए हितकारी होता है?**	5
2	**निर्देशानुसार उत्तर लिखिए** (क)सायंकाल होते ही पक्षी अपने- अपने घोंसलों में लौट गए। (इसका संयुक्त वाक्य बनाइए) (ख)चौराहा आया और आंखें मूर्ति की ओर उठ गई । (वाक्य भेद बताइए)	2
3	**निर्देशानुसार उत्तर लिखिए** i) 'यह कहानी प्रेमचंद द्वारा लिखी गई है' वाच्यभेद बताइए। ii) 'हम हंसेंगे' – भाववाच्य में बदलिए	2
4	**निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में अलंकार बताइए** i. पद्मावती सब सखीबुलाई , मनु फुलवारि सबै चली आई। ii. जगकर सजकर रजनी बाले	2
5	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए :-** नाथ संभुधनु भंजनिहारा । होइहि केउ एक दास तुम्हारा ।। आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाई बोले मुनि कोही ।। सेवकु जो सो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई।। सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।।	4

	1. नाथ' शब्द से किसे संबोधित किया गया है- (क) श्रीराम को (ख) परशुराम को (ग) लक्ष्मण को (घ) शिव को। **2. शिव धनुष तोड़ने वाले को श्रीराम ने क्या बताया-** (क) परशुराम का दास (ख) एक महान वीर (ग) एक अपराधी (घ) एक कायर व्यक्ति । **3. परशुराम ने सेवक किसको कहा है-** (क) जो आज्ञा का पालन करता है। (ख) जो सेवकाई करता है। (ग) जो शत्रुता का कार्य करता है। (घ) जो कभी दूर नहीं रहता। **4. परशुराम के अनुसार शिव धनुष तोड़ने वाला उनके लिए है-** (क) गुरु के समान पूज्य (ख) एक महान योद्धा (ग) सहसबाहु के समान शत्रु (घ) एक परम मित्र के समान प्रिय ।	
6	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।** कार्तिक आया नहीं कि बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हुई, जो फागुन तक चला करतीं । इन दिनों वह सबेरे ही उठते । न जाने किस बक्त जगकर वह नदी-स्नान को जाते-गाँव से दो मील दूर । वहाँ से नहा-धोकर लौटते और गाँव के बाहर ही, पोखरे के ऊँचे भिंडे पर, अपनी खजड़ी लेकर जा बैठते और अपने गाने टेरने लगते। मैं शुरू से ही देर तक सोनेवाला किंतु, एक दिन, माघ की उस दाँत किटकिटानेवाली भोर में भी. उनका संगीत मुझे पोखरे पर ले गया था । अभी आसमान के तारों के दीपक बुझे नहीं थे। हाँ, पूरब में लोही लग गई थी जिसकी लालिमा को शुक्र तारा और बढ़ा रहा था । खेत, बगीचा, घर-सब पर कुहासा छा रहा था । सारा वातावरण अजीब रहस्य से आवृत्त मालूम पड़ता था । उस रहस्यमय वातावरण में एक कुश की चटाई पर पूरब मुँह, काली कमली ओढे, बालगोबिन भगत अपनी खैजड़ी लिए बैठे थे। उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था। उनकी अँगुलियाँ खैजड़ी पर लगातार चल रही थीं। गाते-गाते इतने मस्त हो जाते, इतने सुरूर में आते, उत्तेजित हो उठते कि मालूम होता, अब खड़े हो जाएँगे । कमली तो बार-बार सिर से नीचे सरक जाती । मैं जाड़े से कँपकँपा रहा था। **(i) प्रभातियाँ किस समय गाया जाने वाला गीत है ?** (क) भोर (ख)मध्याह्न (ग) संध्या (घ) अपराह्न **(ii) 'उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था का आशय है :** (क) वह एक के बाद एक गीत गाए जा रहे थे । (ख)वह लगातार लोगों को आशीर्वचन दे रहे थे। ग) वह लगातार लोगो को आशीर्वचन दे रहे थे । (घ) वह किसी से लगातार बातें किए जा रहे थे । **(iii) गद्यांश में किस ऋतु का उल्लेख है ?** (क) वसंत ऋतु (ख) शीत ऋतु (ग) ग्रीष्म ऋतु (घ) वर्षा ऋतु **(iv) बालगोबिन की प्रभातियाँ कब तक चला करती थीं ?** (क) फाल्गुन से कार्तिक तक (ख) कार्तिक से फाल्गुन तक (ग) फाल्गुन से आषाढ़ तक (घ) कार्तिक से चैत्र तक	4
7	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए** - (क) "वो लँगड़ा क्या जाएगा फ़ौज में। पागल है पागल!" कैप्टन के प्रति पानवाले की इस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया लिखिए। (ख) उद्धव द्वारा दिए गए योग के संदेश ने गोपियों की विरहाग्नि में घी का काम कैसे किया? (ग) लखनवी अंदाज' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने यात्रा करने के लिए सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा?	6
8	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए:-** जैविक खेती से विमुख होता किसान अथवा वन महोत्सव	5

ओ एस डी ए वी पब्लिक स्कूल, कैथल

सामयिक परीक्षा II (2024-25)

विषय : हिंदी SET-B

कक्षा : दसवीं

निर्धारित समय: 1:20 घंटे **पूर्णांक: 30**

प्रश्न सं.	प्रश्न	अंक
1	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनकर लिखिए- वाणी प्राणी की पहचान होती है।जिस प्रकार कौआ और कोयल की पहचान उसकी वाणी से हो जाती है उसी प्रकार किसी व्यक्ति के आचार-व्यवहार तथा स्वभाव की परख उसकी वाणी द्वारा हो जाती है।मीठी वाणी दूसरों को अधीन करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है या यूँ कहें यह एक प्रकार से औषधि का काम करती है।जब हम मीठी वाणी का श्रवण करते हैं तब हमारा हृदय प्रसन्न हो जाता है ।सज्जन सदा मधुर वाणी का ही प्रयोग करते हैं जबकि दुर्जनों की वाणी कटु और कर्कश होती है।मीठी वाणी शत्रु को भी मित्र बना सकती है, निराश व्यक्तियों में आशा- उत्साह का संचार कर सकती है।कटु वाणी हृदय में काँटे की तरह चुभतीहै।इससे अपने भी पराए हो जाते हैं।इतना ही नहीं कटु वाणी लड़ाई- झगड़ा यहाँ तक कि बड़े-बड़े युद्धों का कारण भी बन जाती है।द्रौपदी के कटु वचन महाभारत का कारण बने।ऐसा माना जाता है कि जिस व्यक्ति ने अपनी वाणी को वश में कर लिया उसने मानव संसार पर विजय प्राप्त कर ली अर्थात सब कुछ पा लिया।इसलिए जीवन में सदैव मीठी वाणी बोलनी चाहिए। **(1)प्राणी की पहचान किससे होती है?** (क)कपड़ों से (ख)व्यवहार से (ग)वाणी से (घ)चाल से। **(2)दुर्जनों की वाणी होती है?** (क)मीठी (ख)कर्कश (ग)मंत्रमुग्ध करने वाली (घ)कर्णप्रिय। **(3) मीठी वाणी निराश व्यक्ति के मन में किसका संचार करती है?** (क)जागरुकता का। (ख)आशा तथा उत्साह का (ग)अपनेपन का। (घ)प्रेम का। **(4) महाभारत का कारण था?** **(5)कैसा व्यक्ति सारे संसार पर विजय प्राप्त कर सकता है?**	5
2	**निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए-** (1)उर्दू में लिखित पत्र मुझसे नहीं पढ़ा जाएगा। कर्तृवाच्य में बदलिए (2)आप द्वारा चिट्ठियाँ लिखी गई । वाच्यभेद बताइए।	2
3	**निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए-** (1)बालक को हँसते देखकर मैंने उससे हँसने का कारण पूछा। वाक्यभेद बताइए। (ख)जैसे ही गली में शांति हुई वैसे ही सब लोग बाहर आ गए। सरल वाक्य में बदलिए।	2
4	**निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में अलंकार छांटिए।** क) पीपर पात सरिस मन डोला। (ख) बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की।	2
5	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए :-** बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।। पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू ।। इहाँ कुम्हड़बातिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।। देखि कुठारु सरासन बाना। में कछु कहा सहित अभिमाना ।। भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहों रिस रोकी।।	4

	सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई ।। बधे पापु अपकीरति हारें। मारतहू पा परिअ तुम्हारें।। **1. परशुराम बार-बार अपना कुठार किसे और क्यों दिखा रहे हैं?** A. राम को भयभीत करने के लिए B. लक्ष्मण को भयभीत करने के लिए C. विश्वामित्र को भयभीत करने के लिए D. महाराज जनक को भयभीत करने के लिए **2. निम्नलिखित पंक्तियों में से किस पंक्ति से लक्ष्मण की शक्तिशाली होने का पता चलता है?** A. बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।। B. पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू ।। C. देखि कुठारु सरासन बाना। में कछु कहा सहित अभिमाना।। d. इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं ।। **3. रघुकुल में किन-किन के प्रति अपनी वीरता का प्रदर्शन नहीं किया जाता है?** A. देवता, ब्राम्हण, ईश्वर भक्त और गाय पर B. स्त्रियों, बच्चों, ईश्वर भक्त और गाय पर C. देवता, राजा, वीर योद्धा और स्त्रियों पर D. स्त्रियों, बच्चों, राजा और गाय पर **4. 'बिहसि लखन बोले मृदु वानी। अहो मुनीसु महाभट मानी' यह कथन का उदाहरण है।** A व्यंग्य B. हास्य C. क्रोध D. वैराग्य	
6	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।** बालगोबिन भगत की संगीत साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया जिस दिन उनका बेटा मरा।इकलौता बेटा था वह ! कुछ सुस्त और बोदा सा था ,किंतु इसी कारण बालगोबिन भगत उसे और भी मानते।उनकी समझ में ऐसे आदमियों पर ही ज़्यादा नज़र रखनी चाहिए या प्यार करना चाहिए, क्योंकि ये निगरानी और मुहब्बत के ज़्यादा हकदार होते हैं।बड़ी साध से उसकी शादी कराई थी। पतोहू बड़ी ही सुभग और सुशील मिली थी।घर की पूरी प्रबंधिका बनकर भगत को बहुत कुछ दुनियादारी से निवृत कर दिया था उसने।उनका बेटा बीमार है इसकी खबर रखने की लोगों को कहाँ फ़ुरसत ! किंतु मौत तो अपनी ओर सबका ध्यान खींचकर ही रहती है।हमने सुना बालगोबिन भगत का बेटा मर गया। **(1)लेखक ने भगत की संगीत साधना को कब देखा?** (क)सायं समय (ख)लोगों के साथ। (ग) जिस दिन बेटा मरा (घ)जब गंगा स्नान के लिए जाते। **(2)भगत की पतोहू की विशेषताएँ थीं-** (क)सुभग ख)सुशील। (ग)प्रबंधिका। (घ)उपरोक्त सभी। **(3)मुहब्बत के ज़्यादा हकदार होते हैं-** (क)बेटे (ख)पतोहू। (ग)बच्चे। (घ)सुस्त और बोदा व्यक्ति। 4) **प्रस्तुत गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।** (क)नेताजी का चश्मा- स्वयं प्रकाश (ख)बालगोबिन भगत -रामवृक्ष बेनीपुरी (ग)लखनवी अंदाज - यशपाल (घ)राम लक्ष्मण परशुराम –संवाद - तुलसीदास	4
7	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए** - (क)सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे? (ख)उद्धव के व्यवहार की तुलना किस-किस से की गई है? (ग) बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व उनकी वेशभूषा का शब्द चित्र प्रस्तुत कीजिए।	6
8	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए:-** विद्यार्थी और अनुशासन अथवा विज्ञापन और हमारा जीवन	5

ओ एस डी ए वी पब्लिक स्कूल, कैथल
सामयिक परीक्षा II (2024-25)
विषय : हिंदी SET-A
कक्षा : दसवीं

निर्धारित समय: 1:20 घंटे **पूर्णांक: 30**

प्रश्न सं.	प्रश्न	अंक
1	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए** - क II.जाति का चरित्र व उसकी संपन्नता का ख (iv)साहित्य का ग II.समाज **(घ) जिस भाषा का साहित्य नहीं होता ,वह** वह रूपवती भिखारिन के समान **दिखाई पड़ती है?** **ड.)** ज्ञानवर्धन के लिए दूसरे देशों के साहित्य का अध्ययन करना उपयोगी हो सकता है	5
2	**निर्देशानुसार उत्तर लिखिए** (क)सायंकाल हआ और पक्षी अपने- अपने घोंसलों में लौट गए। (ख) संयुक्त वाक्य	2
3	**निर्देशानुसार उत्तर लिखिए** i) कर्मवाच्य ii) हमारे द्वारा /हमसे हंसा जाएगा–	2
4	**निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में अलंकार बताइए** i. उत्प्रेक्षा अलंकार मानवीकरण अलंकार	2
5	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए :-** 1. (ख) परशुराम 2 (क) परशुराम का दास 3.(ख) जो सेवकाई करता है। 4.(ग) सहसबाहु के समान शत्रु	4
6	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।** 1 (क) भोर 2 (क) वह एक के बाद एक गीत गाए जा रहे थे । 3 (ख) शीत ऋतु 4 (ख) कार्तिक से फाल्गुन तक	4
7	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए** - (क) पानवाले ने कैप्टन को लँगड़ा तथा पागल कहा है। जो कि अति गैर जिम्मेदाराना और दुर्भाग्यपूर्ण वक्तव्य है। कैप्टन में एक सच्चे देशभक्त के वे सभी गुण मौजूद हैं जो कि पानवाले में या समाज के अन्य किसी वर्ग में नहीं है। वह भले ही लँगड़ा है पर उसमें इतनी शक्ति है कि वह कभी भी नेताजी को बग़ैर चश्मे के नहीं रहने देता है। अत: कैप्टन पानवाले से अधिक सक्रिय, विवेकशील तथा देशभक्त है। (ख) श्रीकृष्ण के मथुरा चले जाने पर गोपियाँ पहले से विरहाग्नि में जल रही थीं। वे तत्पर श्रीकृष्ण के दर्शन का इंतजार कर रही थीं। वे अपने मन की प्रीत से राख बनाकर दिखे थे, लेकिन ऐसे में जब श्रीकृष्ण ने उप्र से योग साधना का संदेश दिया और भूल जाने की बात कही तब गोपियों के हृदय कांच के समान चूर-चूर हो गए। जिससे उनकी व्यथा कम के बजाय और भी बढ़ गयी। इस प्रकार उलेख में दिए गए योग के अध्ययन में गोपियों की विरहाग्नि में घी का काम किया गया है। (ग) लेखक ने सेकंड क्लास का टिकट इसलिए खरीदा क्योंकि लेखक का अनुमान था कि सेकंड क्लास का डिब्बा खाली होगा, जिससे वे भीड़ से बचकर नई कहानी के विषय में एकांत में चिंतन करने के साथ-साथ प्राकृतिक दृश्यों की शोभा भी निहार सकेंगे।	6
8	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए:-** **प्रसंगानुकूल विषय-वस्तु** का चयन	5

ओ एस डी ए वी पब्लिक स्कूल, कैथल
सामयिक परीक्षा II (2024-25)
विषय : हिंदी SET-B
कक्षा : दसवीं

निर्धारित समय: 1:20 घंटे **पूर्णांक: 30**

प्रश्न सं.	प्रश्न	अंक
1	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनकर लिखिए- (1) (ग)वाणी से (2) (ख)कर्कश। (3)(ग)द्रौपदी के कटु वचन (4) मीठी वाणी निराश व्यक्ति के मन में आशा तथा उत्साह का (5) जिसकी वाणी में मधुरता हो।	
2	प्रश्न (3)निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए- I. उर्दू में लिखित पत्र मेंनहीं नहीं पढ़पाऊंगा पढ़ूंगा II.कर्मवाच्य	
3	प्रश्न (3) निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए- 1.सरलवाक्य 2.गली में शांतिहोते ही सभीलोग बाहर आ गए	
4	निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में अलंकार छांटिए। 1.उपमा अलंकार 2.मानवीकरण अलंकार	
5	निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए :- 1. B. लक्ष्मण को भयभीत करने के लिए 2.d. इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं 3. A. देवता, ब्राम्हण, ईश्वर भक्त और गाय पर 4. A व्यंग्य	
6	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। (1) (ग) जिस दिन बेटा मरा। (2) (घ)उपरोक्त सभी। (3) (घ)सुस्त और बोदा व्यक्ति। 4) (ख)बालगोबिन भगत -रामवृक्ष बेनीपुरी	
7	1. चश्मेवाला कभी सेनानी नहीं रहा। वह तन से बहुत बूढ़ा और मरियल-सा था। परन्तु उसके मन में देशभक्ति की भावना प्रबल थी। वह सुभाषचंद्र का सम्मान करता था। वह सुभाष की बिना चश्मे वाली मूर्ति को देखकर आहत था। इसलिए अपनी ओर से एक चश्मा नेताजी की मूर्ति पर अवश्य लगाता था। उसकी इसी भावना को देखकर ही लोगों ने उसे सुभाषचंद्र बोस का साथी या सेना का कैप्टन कहकर सम्मान दिया । 2.गोपियों ने उद्धव के व्यवहार की तुलना कमल के पत्ते से की है जो नदी के जल में रहते हुए भी जल की ऊपरी सतह पर ही रहता है। अर्थात् श्री कृष्ण का सानिध्य पाकर भी वह श्री कृष्ण के प्रभाव से मुक्त हैं। (2)वह जल के मध्य रखे तेल के गागर (मटके) की भाँति हैं, जिस पर जल की एक बूँद भी टिक नहीं पाती। 3. बालगोबिन भगत एक गृहस्थ थे लेकिन उनमें साधु संन्यासियों के गुण भी थे। वे अपने किसी काम के लिए दूसरों को कष्ट नहीं देना चाहते थे। बिना अनुमति के किसी की वस्तु को हाथ नहीं लगाते थे। कबीर के आर्दशों का पालन करते थे। सर्दियों में भी अंधेरा रहते ही पैदल जाकर गंगा स्नान करके आते थे तथा भजन गाते थे।वेशभूषा से ये साधु लगते थे। इनके मुख पर सफ़ेद दाढ़ी तथा सिर पर सफ़ेद बाल थे, गले में तुलसी के जड़ की माला पहनते थे, सिर पर कबीर पंथियों की तरह टोपी पहनते थे, शरीर पर कपड़े बस नाम मात्र के थे। सर्दियों के मौसम में बस एक काला कंबल ओढ़ लेते थे तथा मधुर स्वर में भजन गाते-फिरते थे।	
8	**प्रसंगानुकूल विषय-वस्तु** का चयन	